International Journal of Engineering Applied Science and Management
ISSN (Online): 2582-6948
Vol. 2 Issue 7, July 2021

माध्यमिक विद्यालयों में परामर्श दात्री समितियों के स्थित एवं सम्बंधित समसस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन (सीतामढ़ी जिले के सन्दर्भ में)

डॉ. धीरज शिन्दें [1], मधु कुमारी[2]
निर्देशक, श्री सत्य सांई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर[1]
शोधार्थी, श्री सत्य सांई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर[2]

सारांश: *यह शोध पत्र सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की वर्तमान स्थिति और उनसे संबंधित समस्याओं का विश्लेषण करता है। परामर्शदात्री समितियाँ छात्रों के शैक्षणिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अध्ययन में प्राथमिक और द्वितीयक डेटा संग्रहण विधियों का उपयोग करके समस्याओं की पहचान की गई है। मुख्य समस्याओं में संसाधनों की कमी, अपर्याप्त प्रशिक्षण, छात्रों की जागरूकता का अभाव, और प्रशासनिक समर्थन की कमी शामिल हैं। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि संसाधनों का उचित प्रावधान, नियमित और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, छात्रों की जागरूकता बढ़ाना, और प्रशासनिक समर्थन को बढ़ावा देना आवश्यक है। इन समस्याओं के समाधान से परामर्शदात्री समितियाँ अधिक प्रभावी हो सकती हैं और छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इस शोध के निष्कर्ष शिक्षा नीति निर्माताओं और विद्यालय प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत करते हैं।*

मुख्य शब्द: ***परामर्शदात्री समितियाँ, सीतामढ़ी जिला, माध्यमिक विद्यालय, संसाधनों की कमी, प्रशिक्षण, प्रशासनिक समर्थन, छात्र जागरूकता।***

1. प्रस्तावना

माध्यमिक शिक्षा एक महत्वपूर्ण अवस्था है जो छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका ध्यान रखते हुए, सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की स्थिति और उनसे संबंधित समस्याओं का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

परामर्शदात्री समितियाँ विद्यालयों में छात्रों के विकास को समर्थन करती हैं, उनकी समस्याओं का समाधान करती हैं, और उन्हें बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। इन समितियों का व्यापक कार्यक्षेत्र और उनका संघर्ष छात्रों के लिए उच्च शैक्षणिक मानकों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण है।

इस अध्ययन का उद्देश्य सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना है, ताकि हम समस्याओं को पहचान सकें और उनके समाधान के लिए सुझाव प्रस्तुत कर सकें। इस अध्ययन से हम यह समझ सकते हैं कि कौन-कौन सी समस्याएँ हैं जो समितियों के संचालन में आ रही हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है।

प्रमुख उद्देश्य:

1. **परामर्शदात्री समितियों की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण:** इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की हालत का विवेचन करना है।
2. **समस्याओं का पहचान:** अध्ययन के माध्यम से हमें पता चलेगा कि कौन-कौन सी समस्याएं

हैं जो समितियों के संचालन को प्रभावित कर रही हैं।

3. **समाधान के सुझाव:** अध्ययन के नतीजों के आधार पर हम समस्याओं के समाधान के लिए उपाय और सुझाव प्रस्तुत करेंगे।
4. **शिक्षा नीति में सुधार:** अध्ययन के परिणामों के आधार पर शिक्षा नीति निर्माताओं को सुधार के लिए सुझाव दिए जाएंगे।

यह अध्ययन सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की प्रभावी कार्यप्रणाली और संबंधित समस्याओं का विश्लेषण करने का प्रयास है, ताकि छात्रों के विकास में उनकी भूमिका में सुधार किया जा सके।

2. साहित्य समीक्षा

मौजूदा शोध से यह स्पष्ट होता है कि परामर्शदात्री समितियों की प्रभावशीलता विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि संसाधनों की उपलब्धता, प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, और प्रशासनिक समर्थन। अनेक अध्ययन यह सुझाव देते हैं कि परामर्शदात्री समितियों की प्रभावशीलता में सुधार के लिए इन कारकों पर ध्यान देना आवश्यक है।

शोध उद्देश्य

1. सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की संरचना और कार्यप्रणाली का विश्लेषण करना।
2. परामर्शदात्री समितियों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं की पहचान करना।
3. इन समस्याओं के समाधान के लिए सिफारिशें प्रस्तुत करना।

शोध विधि

इस अध्ययन के लिए, प्राथमिक और द्वितीयक डेटा संग्रहण की विधियाँ अपनाई गई हैं। प्राथमिक डेटा के लिए, सीतामढ़ी जिले के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के परामर्शदाताओं, शिक्षकों और छात्रों के साथ साक्षात्कार और प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। द्वितीयक डेटा के लिए, शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट्स, शोध पत्र और अन्य प्रासंगिक साहित्य का अध्ययन किया गया है।

3. परिणाम और चर्चा

परामर्शदात्री समितियों की संरचना

सीतामढ़ी जिले के अधिकांश माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियाँ स्थापित हैं। हालाँकि, इनकी संरचना और कार्यप्रणाली में पर्याप्त विविधता पाई जाती है। कुछ विद्यालयों में समितियाँ सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं, जबकि अन्य में वे केवल नाममात्र की हैं।

4. प्रमुख समस्याएँ

1. **संसाधनों की कमी**: कई विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों को आवश्यक संसाधन नहीं मिलते हैं। इसमें परामर्श के लिए आवश्यक उपकरण, पुस्तकें, और अन्य सामग्री शामिल हैं।
2. **अपर्याप्त प्रशिक्षण**: परामर्शदाताओं के लिए नियमित और उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अभाव है। इससे उनकी क्षमता और कौशल में कमी होती है।
3. **छात्र जागरूकता का अभाव**: छात्रों को परामर्शदात्री समितियों की सेवाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं होती है, जिससे वे इन सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाते हैं।
4. **प्रशासनिक समर्थन का अभाव**: कई विद्यालयों में प्रशासनिक समर्थन की कमी होती है, जिससे समितियों का कार्यप्रदर्शन प्रभावित होता है।

6. समाधान और सिफारिशें

1. **संसाधनों का उचित प्रावधान**: विद्यालय प्रशासन और सरकार को परामर्शदात्री समितियों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। इसमें पुस्तकें, शैक्षिक सामग्री, और डिजिटल उपकरण शामिल हैं।
2. **प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन**: परामर्शदाताओं के लिए नियमित और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए, ताकि वे नवीनतम तकनीकों और विधियों से अवगत रह सकें।
3. **छात्र जागरूकता बढ़ाना**: परामर्शदात्री समितियों की सेवाओं के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।
4. **प्रशासनिक समर्थन बढ़ाना**: विद्यालय प्रशासन को परामर्शदात्री समितियों के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और उन्हें आवश्यक समर्थन प्रदान करना चाहिए।

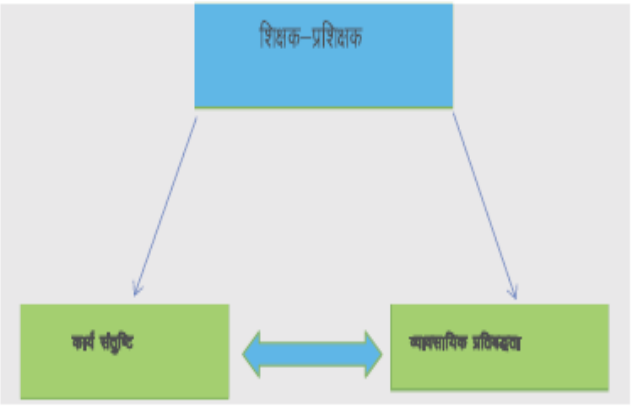

आकृति 1

शिक्षक–प्रशिक्षकों की कार्य संतुष्टि एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता के लिए ;तगलद्ध सहसंबंधात्मक सांख्यिकी अभिकल्प

सरणी 1

शिक्षक–प्रशिक्षकों की कार्य संतुष्टि के फलांकों की विवरणात्मक सांख्यिकी का विवरण

माध्य की प्रमाणिक	0.752
प्रमाप विचलन	13.238
विशमता	.0.117
विशमता की प्रमाणिक त्रुटि	0.138
कुकुदता	.0.341
कुकुदता की प्रमाणिक त्रुटि	0.276

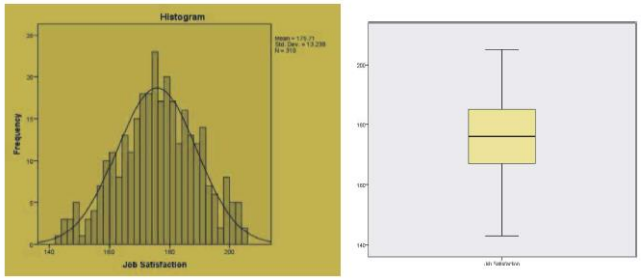

आकृति 2

शिक्षक–प्रशिक्षकों की कार्य संतुष्टि के फलांकों की स्तम्भाकृति एवं बॉक्स प्लॉट

6. निष्कर्ष

सीतामढ़ी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में परामर्शदात्री समितियों की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि इन समितियों की प्रभावशीलता संसाधनों की कमी, अपर्याप्त प्रशिक्षण, छात्रों की जागरूकता की कमी, और प्रशासनिक समर्थन के अभाव के कारण प्रभावित होती है। यदि इन समस्याओं का समाधान किया जाए, तो परामर्शदात्री समितियाँ

छात्रों के समग्र विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं।

संदर्भ

1. शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट्स और परामर्शदात्री समितियों पर शोध लेख।
2. सीतामढ़ी जिले के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के परामर्शदाताओं और छात्रों से प्राप्त साक्षात्कार और फीडबैक।
3. शैक्षिक प्रबंधन और परामर्शदात्री समितियों पर प्रकाशित पुस्तकों और लेखों का अध्ययन।